

सारा काम-काज चलाते है, यहां तक कि अदालतों की चार्जशीट भी अंग्रेजी में दी जाती है; यदि हां, तो क्या वह इसको राष्ट्र-भाषा की प्रगति में बाधक नहीं समझते हैं और वह इस बारे में क्या कार्यवाही करेंगे ?

**श्री विद्या चरण शुक्ल :** हिन्दी सलाहकार समिति की एक उपसमिति इस काम को देखती है और इस सम्बन्ध में विभिन्न प्रदेशों का दौरा भी करती है। उसकी कई मीटिंग्स में हमको यह सूचना मिली है कि हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के बारे में इन सब प्रदेशों में काफी उन्नति हो रही है।

**श्री रामसेवक यादव :** अध्यक्ष महोदय; यह हिन्दी की तरक्की हो रही है, वह राष्ट्र-भाषा को गर्द। पर बिठई जा रही है, देश में प्रगति हो रहा है, समाजवाद आ रहा है, समानता स्थापित हो रही है, यह तो मेरा प्रश्न नहीं था। मेरा साफ़ प्रश्न यह है कि क्या मंत्रों महोदय को ऐसी जानकारी है कि हिन्दी प्रदेशों में अंग्रेजी में राजकाज चलता है, अदालतों की चार्जशीट वगैरह अंग्रेजी में दी जाती है।

**श्री विद्या चरण शुक्ल :** मैं ने बताया है कि अर्थात् भी वहां कुछ शासकीय काम अंग्रेजी में होता है, पर उन प्रदेशों में हिन्दो की प्रगति धीरे धीरे होती जा रही है। यही मैं ने बताया है।

**Shri Hem Barua:** May I know whether Government are aware of the fact that the Ministers whose mother-tongue is Hindi are often found speaking in indifferent English at receptions given to non-English speaking foreign dignitaries and whether Government are also aware of the fact that the Ministers whose mother-tongue is Hindi prefer to send their children for education to English-medium schools and not to Hindi-medium schools?

**Shri Vidya Charan Shukla:** This concerns individual Ministers. What can I say about it? (*Interruptions*).

**Some Hon. Members:** We could not hear the answer.

**Shri Vidya Charan Shukla:** I said that this concerned the individual Ministers and individual Members including Members of the Opposition. What can Government say about these things? How can Government say whether they send their children to schools with Hindi-medium or English-medium?

**Shri Hem Barua:** I only wanted to know whether Government were aware of this. I would like to know whether Government are aware of the fact that Ministers whose mother-tongue is Hindi are found to speak in indifferent English at receptions given to non-English speaking foreign dignitaries. I was personally present at one of those functions.

**Mr. Speaker:** Does the hon. Member expect the Home Minister to give an assessment about whether they speak in indifferent English or not?

**Shri Hem Barua:** Please take out the word 'indifferent'. Let the word be English only.

**Mr. Speaker:** The hon. Member wants to know whether the Minister is aware of this fact.

**Shri Vidya Charan Shukla:** This may be happening but we have not made any enquiries about it.

मिजो विद्रोही

+

\*484. श्री हुकम चन्द कलुवाय :

श्री रामदेववरानन्द :

श्री रघुनाथ सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मिजो विद्रोहियों ने एक पत्र के जरिये "भासाम

ट्रिब्यून" के सम्पादक को मार डालने की धमकी दी है;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्होंने उनको यह भी धमकी दी है कि यदि उन्होंने उनके बारे में समाचार छापा तो वे उनका सिर काट लेंगे;

(ग) क्या यह भी सच है कि पत्र के अन्त में यह नारा लिखा है "मिज़ो, नागा, चीन और पाकिस्तान अमर रहे"; और

(घ) ऐसी गतिविधियों में पड़ने के लिये मिज़ो विद्रोहियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) "आसाम ट्रिब्यून" के सम्पादक को कल्पित नाम से लिखा गया एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी।

(ख) पत्र में कहा गया था कि सम्पादक को अपने सिर से हाथ धोना पड़ेगा।

(ग) जी हां।

(घ) पत्र के लेखक का पता लगाने की दृष्टि से मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूँ कि जिस समय यह पत्र उस पत्रकार को दिया गया था, क्या सरकार ने उस समय उन लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस की व्यवस्था की थी; यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में इतना विलम्ब होने का क्या कारण है।

श्री विद्या चरण शुक्ल : इसमें कोई विलम्ब नहीं हुआ है। जैसे ही सरकार के हाथ में वह पत्र आया, इस बारे में जांच-पड़ताल की कार्यवाही की गई। जो भी कार्यवाही आवश्यक समझी गई है, वह की जा रही है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : उपमन्त्री महोदय ने बताया है कि कार्यवाही की जा रही है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि सम्बद्ध व्यक्तियों को पकड़ने में कितना समय लगेगा और इस कार्यवाही को पूरा करने के लिए सरकार और कितना समय लेना चाहती है, ताकि वे लोग भविष्य में किसी और पत्रकार के साथ ऐसा व्यवहार न कर सकें।

श्री विद्या चरण शुक्ल : यह कहना तो मुश्किल है कि कितना समय लगेगा, लेकिन पूरी कार्यवाही बहुत जोरों के साथ की जा रही है।

श्री रामेश्वरानन्द : आसाम प्रदेश एक छोटा सा स्थान है और वहाँ जो मिज़ो लोग रहते हैं, वे बहुत थोड़ी जगह में रहते हैं, जो कि हमारे देश के अन्दर है। आज उनकी भी इतनी शक्ति है कि वे हमारे प्रत्येक व्यक्ति को धमकायें, कत्ल कर दें और जब चाहे, उठा कर ले जायें। मैं यह जानना चाहता हूँ कि आखिर यह सरकार क्या करती रहती है। वे लोग इतना कुछ कर जाते हैं, फिर भी सरकार उनको दबा नहीं पाती है, इसका क्या कारण है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मिज़ोज की विद्रोही कार्यवाहियों को अच्छी तरह से दबाया गया है और जो थोड़ी बहुत हो रही है, उनको आगे चल कर दबा दिया जायेगा।

श्री रामेश्वरानन्द : मैंने यह नहीं कहा है कि सरकार ने नहीं दबाया है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि ऐसी कौन सी कठिनाइयाँ हैं कि सरकार उनको नहीं दबा पाती है।

श्री विद्या चरण शुक्ल : कोई कठिनाई नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : अभी कल इस बारे में आधे-घंटे की बहस हुई थी, जिसमें इन सब बातों को उठाया गया था।

श्री रामेश्वरानंद : कल जो कुछ भी हुआ हो, आज मंत्री महोदय इस प्रश्न का उत्तर दें ।

अध्यक्ष महोदय : श्री हेम बरुआ ।

**Shri Hem Barua:** The editor of the Assam Tribune, Gauhati, got two letters, threatening letters, from the Mizo hostiles and both the letters ended with the same slogan, the slogan being 'Long live Mizos, Nagas, China and Pakistan.' In this connection, may I know from the hon. Home Minister whether he has succeeded in establishing the fact that the Naga hostiles have colluded with the Mizo hostiles and whether he has also succeeded in establishing the fact of Chinese and Pakistani involvement in the Mizo rebellion?

**Shri Vidya Charan Shukla :** This question was asked during the half an hour discussion yesterday by the hon. Member himself and the answer was given, that we have had evidence to show that there has been some collusion, between the Nagas and the Mizos. We are trying our best to see that this does not proceed and we protect the interests of the country in the best possible manner.

**Shri Hem Barua:** Yesterday it was not replied to and even today it has not been replied to. I am interested to know how far Government have succeeded in establishing the fact that both China and Pakistan are involved in the Mizo rebellion?

**Shri Vidya Charan Shukla:** As far as we know, the hand of Pakistan is clearly visible in these rebellious activities. As regards China, we have had some unconfirmed reports; these have yet to be confirmed.

**Shri D. C. Sharma:** From the replies given by the hon. Minister to the original question as well as to supplementaries, I find that they are treating this question of the letter to the editor of the Assam Tribune as a routine matter. And from the replies we

got the other day also, it seems that even serious cases are treated as routine matters by the Ministry. May I know what special efforts the Home Ministry or the Assam Government have made to see that the culprit is brought to book within the shortest possible time and not that it should be treated as a thing which goes on from day to day and year to year like an epic in any language?

**Shri Vidya Charan Shukla:** I am sorry if this impression has been created in the hon. Member's mind that we are treating this matter as a routine matter. We treat all these matters as very special. I may assure the House that we are doing our best and are taking special measures to see that such things do not occur, and whenever they occur, we take special measures, to catch the culprits.

**Shrimati Ramdulari Sinha:** Has any protection been given to the editor of the Assam Tribune on behalf of Government, and if so, the details thereof?

**Shri Vidya Charan Shukla:** Necessary protection has been given.

**Shri Priya Gupta:** When the Government know that the Assam Tribune editor has been threatened like this and when they also know that there is collusion between the Chinese and Pakistanis and the Mizos and Nagas—though regarding the Collusion with China, the report is yet unconfirmed—have they got proper machinery to trace and find out these things which are matters of national importance?

**The Minister of Home Affairs (Shri Nanda):** Yes, we have established machinery which has been strengthened over the recent years, specially so during recent months, and we are securing the information that is necessary for our purpose.

**Shri Priya Gupta:** He says that in recent months, the machinery has been strengthened. Still the information could not be obtained. In this perspective, does it not show that the machinery is inadequate and requires to be further strengthened?

**Mr. Speaker:** I have already allowed him one question.

**श्री प्रकाश शीर शास्त्री :** श्रीमन्, अभी मंत्री महोदय ने जैसा कहा कि जिस व्यक्ति ने आसाम ट्रिब्यून के सम्पादक को यह घमकी भरा पत्र लिखा है, केवल आसाम ट्रिब्यून के सम्पादक को ही नहीं हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री हेम बरुआ को भी इसी प्रकार के पत्र आये हैं, आप ने बताया है कि इस बात की जानकारी ली जा रही है कि कौन व्यक्ति है जो इस प्रकार के पत्र लिख रहा है, तो जानकारी वही एजेंसी ले रही है जो दिल्ली में वर्षों से पाकिस्तान के लिए जासूसी का काम करने वाले ए० आई० पी० पी० के दफ्तर के आदमी को नहीं पकड़ सकी ?

**श्री विद्या चरण शुक्ल :** हम लोगों की जो एजेंसी काम कर रही है उसने बहुत अच्छी तरह से काम किया है और इसके बारे में इन्वेस्टीगेशन चल रहा है। जैसे ही इन्वेस्टीगेशन कम्प्लीट हो जायेगा हम सदन को इसकी जानकारी देंगे।

#### Plastic Explosive Bomb

+

- \*485. **Dr. Ram Manohar Lohia:**  
**Shri Maurya:**  
**Shri Kishen Pattnayak:**  
**Shri Hukam Chand**  
**Kachhavaiya:**  
**Shri Rameshwaranand:**  
**Shri Raghunath Singh:**  
**Shri Sidheshwar Prasad:**  
**Shri C. K. Bhattacharyya:**

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a plastic explosive bomb was found in a steel trunk which was seized by the police at Dimapur Railway station on the 29 April, 1966;

(b) if so, whether any inquiry has been made as to the country in which this was manufactured; and

(c) the action taken in the matter?

**The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla):** (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. The investigations are in progress.

(c) Adequate measures to detect and prevent such illegal traffic in arms and explosives have been taken.

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अब वह पूरक सवाल तो हमारे बंधे ही खत्म हो जाते हैं। बी० का जवाब उन्हें देना चाहिए था, किसी देश का नाम देना चाहिए था।

**Mr. Speaker:** The country where they were manufactured, can the Government point out?

**Shri Vidya Charan Shukla:** This has been said earlier in the House that we suspect that they were manufactured in Pakistan.

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अब यह आखिर में अपना विरोध बता देता हूँ कि इस तरह के जवाब पाने के बाद कोई सवाल जवाब सम्भव नहीं हो सकते। सस्पेक्ट के क्या माने ? यहाँ यह सवाल पूछा मैंने। इतने महीने रहे जांच के लिए और कभी फ्रांस का नाम आ जाता है, अभी इसी जगह फ्रांस का नाम भी आया है . . . .

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप करिये सवाल।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप अध्यक्ष महोदय, खुद समझ रहे होंगे कि इन पूरक प्रश्नों में कुछ रद्द ही नहीं जाता। खाली आप यही पूछ सकते हैं कि मंत्री महोदय ने अब तक पाकिस्तान और फ्रांस दो देशों के ऊपर शक किया है। इतने महीने हो गये, जांच पड़ताल करते हुए तो कहीं इनका शक किसी एक देश के ऊपर जाकर टिका है और अगर टिका है तो उस सम्बन्ध में उन्होंने क्या-क्या कार्रवाही की है। मैंने आपसे पूछा है तो आप ने इनका जवाब नहीं दिया है।